हिन्दुस्तान • देहरादून • रविवार • 03 अक्तूबर 2021 • 06

समाज सुधारक थे गांधी

हरिद्वार। महिला महाविद्यालय सतीकुंड में राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का शुभारम्भ प्राची त्यागी व सिमरन द्वारा महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि के माध्यम से किया गया। शीशराम मेमोरियल ट्रस्ट के सचिव डॉ. अशोक शास्त्री ने कहा कि महात्मा गांधी मात्र राजनीतिज्ञ नहीं थे, अपितु उन सब से बढ़कर वो एक समाज सुधारक थे। महाविद्यालय की सचिव डॉ. वीणा शास्त्री ने कहा कि महात्मा गांधी सदैव उनकी प्रेरणास्रोत रहे हैं और उनके आदर्श भी। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. गीता जोशी ने महात्मा गांधी की वर्तमान में प्रासंगिकता विषय पर विचार रखे। प्राची त्यागी, सिमरन, वन्दना, भावना, मनिका टम्टा, कल्पना रावत व गायत्री गौड़ ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। संगोष्ठी का संचालन प्राची त्यागी व वर्णिका चौहान द्वारा किया गया।

हरिद्वार स्थित महिला महाविद्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देती छात्राएं। • हिन्दुस्तान

2 दैनिक जागरण देहरादून/हरिद्वार, 3 अक्टूबर, 2021

संकल्प लिया।

गांधी के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक : महिला महाविद्यालय पीजी कालेज, सतीकुंड में राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से संगोष्ठी आयोजित हुई। इस मौके पर शीशराम मेमोरियल ट्रस्ट के सचिव डा. अशोक शास्त्री ने कहा कि महात्मा गांधी राजनीतिज्ञ ही नहीं, बल्कि वह एक समाज सुधारक थे। सचिव डा. वीणा शास्त्री ने कहा कि वर्तमान समय में गांधी के सिद्धांत अधिक प्रासंगिक हैं। कालेज में सात दिवसीय कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दौरान हुई पोस्टर, निबंध, भाषण प्रतियोगिताओं में विजयी छात्राओं सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्या डा. गीता जोशी, राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डा. शशि प्रभा, डा. राखी सिंह, डा. अल्पना शर्मा, यासमीन अमीर, डा. शैलजा देशवाल, स्मिता पांडेय, डा. प्रेरणा पांडे, डा. राखी सिंह, डा. मीनाक्षी गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

माल्यार्पण कर अर्पित की श्रद्धांजलि

बहादराबाद : उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से युद्ध के समय शास्त्री ने अपने सभी व्यक्तिगत खर्चों

हिन्दुस्तान
देहरादून • शनिवार • 27 नवंबर 2021

मौलिक अधिकारों के पालन करने को जागरूक किया

कार्यक्रम

हरिद्वार | संवाददाता

आयोजन

- महिला विद्यालय डिग्री कालेज कनखल में कार्यक्रम का आयोजन
- संविधान को भारत की आत्मा करार दिया

महिला विद्यालय डिग्री कालेज कनखल में यूजीसी के तत्वावधान में राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से संविधान दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की सचिव डा. वीणा शास्त्री ने संविधान को भारत की आत्मा की संज्ञा दी। उन्होंने संविधान निर्मात्री सभा के सदस्यों के योगदान को स्मरण करते हुए उस समय के नव स्वतंत्र राष्ट्र भारत के लिये एक महान उपलब्धि बताया। साथ ही उन्होंने डा. भीमराव आंबेडकर को महान कानून का जानकार बताते हुए संविधान निर्माण में उनकी भूमिका को अविस्मरणीय बताया। महाविद्यालय की प्राचार्या गीता जोशी ने संविधान की विशेषताओं को स्पष्ट करते हुए मौलिक अधिकारों व कर्तव्यों के सन्दर्भ में अपनी राय स्पष्ट की और छात्राओं को भारतीय नागरिक होने के नाते मौलिक कर्तव्यों का पालन करने के लिये प्रेरित किया। राजनीति विज्ञान विभाग की डा. शशी प्रभा ने संविधान निर्माण की प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए भीमराव आंबेडकर की संविधान निर्माण में भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि आज के भारत को स्वतन्त्रता, समानता व भ्रातत्व तीनों की आवश्यकता है।

डा. निभा राठी द्वारा छात्राओं को प्रस्तावना का पाठ कराया और प्रस्तावना को बेहतर कल की उम्मीद की संज्ञा दी। इस अवसर पर डा. शशी प्रभा, यासमीन अमीर, डा. प्रीति आत्रेय, डा. निभा राठी, डा. सुमन चावला, किरन, हिमानी, मोतिया, दल सिंह, शिखा गुप्ता, अनुराधा चैधरी, श्रीकान्त, शुभम लोधा, विनीत कुमार, सीमा रानी आदि उपस्थित रहे।

हरिद्वार में कनखल स्थित महिला महाविद्यालय में शुक्रवार को संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएं। • हिन्दुस्तान

अमर उजाला
बुधवार • 09.03.2022
www.amarujala.com

महिलाओं ने विचार किए साझा

हरिद्वार। महिला विद्यालय डिग्री कालेज में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। राजनीति व विज्ञान विभाग की ओर से वेबिनार का आयोजन कर आत्मनिर्भर भारत में महिलाओं की भूमिका विषय पर विचार व्यक्त किए गए।

मुख्य वक्ता शहीद दुर्गामल पीजी कालेज, डोईवाला एसोसिएट प्रो. डॉ. राखी पंचोला रहीं। उन्होंने कहा कि संसार में नारी का सर्वश्रेष्ठ स्वरूप मां का है, मां जैसा कोई दूसरा स्वरूप हो ही नहीं सकता। क्योंकि मां शक्ति है और सबसे महत्वपूर्ण महिला मां है। महाविद्यालय सचिव डा. बीना शास्त्री ने कहा कि हमारा महाविद्यालय छात्राओं को अपने अधिकारों व शक्तियों के प्रति जागरूक करता रहा है। प्राचार्या डा. गीता जोशी ने महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतवर्ष में पुरातन समय से ही महिलाओं का सम्मान होता रहा है।

राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डा. शशी प्रभा ने डा. राखी पंचोला का आभार जताया। संचालन डा. राखी सिंह ने किया। इस दौरान डा. निभा राठी, डा. एमडी भास्कर, यासमीन अमीर, डा. प्रीति आत्रेय, डा. प्रेरणा पांडेय, डा. सुमन चावला, अनुराधा, मोतिया, दलसिंह, शिखा गुप्ता, अनुराधा चौधरी, अंकित गोइल, श्रीकांत, शुभम लोधा, सीमा रानी, विनीत कुमार बिजेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे। संवाद

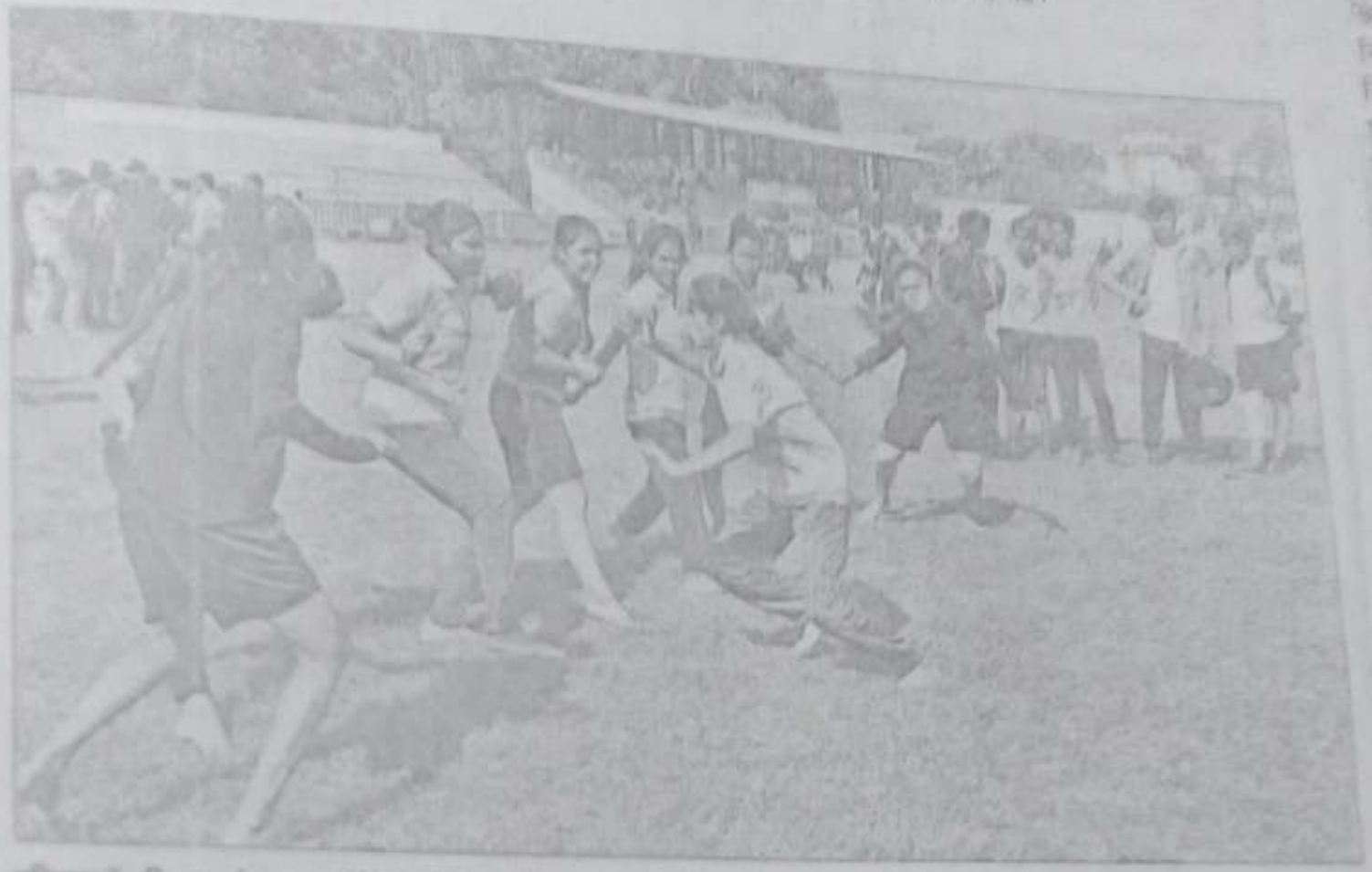

हरिद्वार में रविवार को भल्ला कॉलेज स्टेडियम में वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई। • हिन्दुस्तान

छात्राओं को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई

हरिद्वार | संवाददाता

कनखल के सतीकुंड स्थित महिला विद्यालय में सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्राओं को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलायी गई।

जबकि इस दौरान रन फॉर यूनिटी प्रोग्राम के तहत छात्राओं ने दौड़ लगाई। महाविद्यालय की सचिव वीणा शास्त्री ने छात्राओं को सरदार पटेल के जीवन से सीख लेने को कहा। इस दौरान डॉ. एमडी भास्कर, यासमीन अमीर, डॉ. प्रेरणा आदि मौजूद रहे।

सोमवार • 05.09.2022

अमर उजाला

02

महिला विद्यालय डिग्री कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद छात्राएं। -संवाद

व्यक्तित्व विकास में संगीत की भूमिका विशिष्ट : तुष्टि

हरिद्वार। महिला विद्यालय डिग्री कॉलेज में संगीत विभाग की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव के तहत सेमिनार आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि एमकेपी पीजी कॉलेज देहरादून की एसोसिएट प्रोफेसर तुष्टि मैठाणी ने कहा कि व्यक्तित्व के विकास में संगीत की भूमिका का विशिष्ट महत्व है।

उन्होंने कहा कि जिस तथ्य को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते हैं, उसे संगीत के माध्यम से सुंदरता से प्रस्तुत किया जा सकता है। आज की युवा पीढ़ी अवसाद ग्रस्त हैं। संगीत ही अवसाद व तनाव को दूर करने में सहायक सिद्ध हुआ है। महाविद्यालय की सचिव डॉ. वीणा शर्मा ने कहा कि संगीत ईश्वर प्राप्ति का माध्यम है। प्राचार्य डॉ. गीता जोशी ने कहा कि संगीत हमारे जीवन में अनुशासन लेकर आता है। इस मौके पर संगीत शिक्षिका कंचन रावत, डॉ. शशि प्रभा मौजूद रहे। संवाद

एकल नृत्य में नीतिका, गायन में आस्था प्रथम

जागरण संवाददाता, हरिद्वार: महिला विद्यालय डिग्री कालेज, सतीकुंड में गायन और नृत्य प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। एकल नृत्य उपशास्त्रीय प्रतियोगिता अंतर्गत सात छात्राओं ने हिस्सा लिया। इसमें नीतिका आहूजा प्रथम, कीर्ति मल्होत्रा द्वितीय और डोली धमेजा तृतीय स्थान पर रहीं। एकल गायन शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता में आस्था झा प्रथम, लक्की द्वितीय और रिंकी तृतीय स्थान पर रहीं।

महिला विद्यालय डिग्री कालेज सतीकुंड में गायन और नृत्य प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित करती शिक्षिका • सौजन्य स्वयं

वहीं, एकल गायन उपशास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता, लोकगीत में रिंकी प्रथम, लाइट फिल्मी में आस्था झा प्रथम और लाइट गजल में गुनगुन शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में 18 छात्राओं ने हिस्सा लिया। बीए प्रथम सेमेस्टर की लक्की और अंजली प्रथम, प्रिया द्वितीय और सीता तृतीय स्थान पर रहीं। सांत्वना पुरस्कार प्रथम सेमेस्टर की विधि को दिया। पोस्टर प्रतियोगिता में बीए तृतीय सेमेस्टर की प्रेरणा राय प्रथम, पंचम सेमेस्टर की भूमिका पांडेय द्वितीय और प्रथम सेमेस्टर की विशाखा सैनी तृतीय स्थान पर रहीं। सांत्वना पुरस्कार पंचम सेमेस्टर की असमा और एकता को दिया गया। महाविद्यालय की सचिव डा. वीणा शास्त्री ने संगीत को ईश्वर प्राप्ति का माध्यम बताया। प्राचार्य डा. गीता जोशी ने कहा की संगीत स्वयं में ही ईश्वर है।

महिलाओं को सशक्त होने की आवश्यकता

हरिद्वार। महिला विद्यालय डिग्री कालेज, सती कुंड, कनखल में अंग्रेजी विभाग की ओर से वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता हर्ष विद्या मंदिर पीजी कालेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. दीपिका भट्ट रहीं। डा. दीपिका ने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के साथ ही हमें अपने स्तर पर भी समाज का नजरिया बदलना होगा।

आज भारत में महिलाओं के बराबरी के अधिकार सिर्फ कागजों तक ही सीमित हैं, वास्तविकता यह है कि महिलाओं को आज भी सशक्त होने की आवश्यकता है। महाविद्यालय की सचिव डा. मीना शास्त्री ने भ्रूण हत्या की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा महाविद्यालय छात्राओं को अपने अधिकार, शक्तियों के प्रति सदैव जागरूक करता रहा है और समाज को महिलाओं की सुरक्षा हेतु निश्चित करने में सामाजिक कार्यों के माध्यम से योगदान देता रहा है। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. गीता जोशी ने धन्यवाद ज्ञापित किया और कवियत्री सुजाता भट्ट के साहित्यिक कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उनकी प्रसिद्धि के विषय में बताया। वेबिनार का आयोजन हिमानी द्वारा किया गया और सभी छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। इस अवसर पर डा. शशि प्रभा, डा. एमडी भास्कर, यासमीन अमीर, डा. राखी सिंह, डा. निभा रानी, डा. सुमन यादव, अनुराधा शर्मा, मोनिका शर्मा, शालिनी, सिमरन गुप्ता, अनुराधा चौधरी, अंकित मोहन, श्रीकान्त, शुभम तोमर, विनीत कुमार आदि रहे।

10 मार्च 2022

अमर उजाला

बेटियों के प्रति समाज को बदलना होगा नजरिया

हरिद्वार। महिला विद्यालय डिग्री कालेज में अंग्रेजी विभाग की ओर से वेबिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में हर्ष विद्या मंदिर पीजी कालेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. दीपिका भट्ट ने शिरकत की। डॉ. दीपिका ने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान से कुछ नहीं होगा। बेटियों के प्रति हमें अपने स्तर पर ही समाज का नजरिया बदलना होगा। जब बेटी अपनी मां के गर्भ में ही सुरक्षित नहीं है तो बाहरी समाज में कैसे सुरक्षित रह सकती है। महाविद्यालय सचिव डॉ. मीना शास्त्री ने कहा कि महिला महाविद्यालय छात्राओं को अपने अधिकारों, शक्तियों के प्रति सदैव जागरूक करता रहा है। प्राचार्या डॉ. गीता जोशी ने सभी का आभार जताया। इस दौरान हिमानी, डॉ. शशी प्रभा, डॉ. एमडी भास्कर, यासमीन अमीर, डॉ. राखी सिंह, डॉ. निभा रानी उपस्थित रहे। संवाद